

Shut up.... (Interruptions). Either you control them, Sir, or I will.

MR. SPEAKER: He will please sit down.

SHRI BUTA SINGH (Rupar): Is he a super-Speaker?

MR. SPEAKER: Does he think that 'shut up' is an ordinary expression and that he can address it to everybody?

श्री शिव नारायण : उधर से कुछ लोग गालियां देते हैं और हुजूर चुप बैठे रहते हैं। उधर से लोग गालियां दे और आप बैठ रहें तो यह मेरे संग अन्याय है।

अध्यक्ष महोदय : लोग बगैर मेरी इजाजत के अपनी जगह से बोलना शुरू कर देते हैं लेकिन माननीय सदस्य ने जो अभी वह "शट अप" कहा है उसे वह वापिस ले लें।

SHRI SHEO NARAIN: I withdraw it. I will obey you.

SHRI RANJEET SINGH (Khalilabad): But let them also be asked to behave.

MR. SPEAKER: I am not going to allow any member unless and until I hear Shri Sheo Narain.

SHRI SHEO NARAIN: As one of the humble members of your Business Advisory Committee, I supported the decision to take up Shri P. V. Shastri's motion. You also agreed that it should be taken up and discussed. But you see what is happening. The Minister of Parliamentary Affairs goes on changing the agenda as he likes. If this is going to be permitted, permit me to resign from your Committee. What is the use of my being in the Committee if the decisions taken therein are bypassed in this manner? You should permit us to resign from the Committee if this is what is going to happen to decisions taken by the Committee.

SHRI JYOTIRMOY BASU: Are you asking the Home Minister to make a statement on the police atrocities in Krishnagar?

MR. SPEAKER: He will please sit down. I will look into what he said.

SHRI S. M. BANERJEE: If you see the order paper today, you will see that there is hardly any time left to complete the discussion on the Reports of the Scheduled Castes and Scheduled Tribes. There is no doubt that the motion of Shri P. V. Shastri about subversive activities in the whole country--including many parties--is very important. But the question is simple. In this House 90 per cent of the time has been exhausted on Naxalbari or on West Bengal.

SHRIMATI ILA PALCHOUDHURI: I have also a submission to make.

SHRI S. M. BANERJEE: Let us discuss her conduct also.

That discussion can be postponed. The problems of the Scheduled Castes and Scheduled Tribes have been highlighted by hon. members. I suggest that we should get a reply from the Minister. Otherwise, there will be an impression created that they are very cold and callous to them.

11.09 hrs.

#### RE. QUESTION OF PRIVILEGE

श्री राम चरण (खुर्जा) : मैं नियम 222 के अन्तर्गत एक प्रिविलेज मोशन मूव करना चाहता हूँ। नवभारत टाइम्स तथा दूसरे अखबारों में भी यह खबर छपी है कि आदिवासी एम पीज आदि को रिश्वत दी गई है। यह जो आरोप लगाया है आदिवासियों पर या दूसरे संसद सदस्यों पर वह बहुत गम्भीर आरोप है। मैं चाहता हूँ कि यह मामला प्रिविलेज कमेटी के सुपुर्द किया जाए। श्री भूपेश गुप्त ने यह आरोप लगाया है..... (इंटरप्वाज) कम्प्यूनिस्ट शास्त्री जी की पार्टी वालों ने मुल्क को बेचा

[श्री राम चरण]

है। कम्युनिस्ट शास्त्रियों ने अछूतों का शोषण किया है...

श्री प्रकाशवीर शास्त्री (हापुड़) : श्री राम चरण ने जो आक्षेप लगाया है वह बड़ा स्पष्ट है कि जो कम्युनिस्ट पार्टी के शास्त्री हैं उन्होंने मुल्क को चीन को बेचा है....

श्री स० ओ० बनर्जी (कानपुर) : एक ही अछूता शास्त्री देश में हुआ है वह था श्री लाल बहादुर शास्त्री।

MR. SPEAKER: oYu need not go on adding your own interpretation.

श्री राम चरण : इस तरह से आरोप अछूतों पर या किसी और संसद सदस्य पर अपर हाउस में लगाना ठीक नहीं था। बैंकडोर से जो अपर हाउस में पहुँच जाते हैं, आश्चर्य है कि उनकी तरफ से इस तरह के आरोप लगाए जाते हैं, इस तरह के आक्षेप किए जाते हैं। यह बहुत अनुचित है। मैं चाहता हूँ कि या तो वह इसका स्पष्टीकरण करें वरना ये जो देश को बेचने वाले लोग हैं, जो शोषक हैं, जिन्होंने देश का सत्यानाश किया है, उनके खिलाफ यह मामला प्रिविलेज कमेटी के सुपुर्द किया जाए।

अध्यक्ष महोदय : मैं कुछ कहने वाला था। जब इतनी सारी आवाजें आती हैं तो मैं भटक जाता हूँ, मुश्किल में पड़ जाता हूँ। प्रकाशवीर जी ने जो कहा है उनको मैं बतलाना चाहता हूँ कि आज का जो दिन है उसको बिजिनस एडवाइज़री कमेटी ने एक खास परपञ्च के लिए रखा था...

एक माननीय सदस्य : आज का भी हिस्टोरिक दिन है।

अध्यक्ष महोदय : खास परपञ्च के लिए आज के लिए हाउस को एक्सटेंड किया गया था। मेरा खयाल था कि अछूता होता अगर वह कल शाम को खत्म हो जाता। लेकिन

आज का दिन स्पेसिफिक काम के लिए रखा है। मैं आपको यकीन दिलाना चाहता हूँ कि न इस में आफिस की कोई गड़बड़ी है और न किसी और तरफ से...

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : आप आफिस की गारंटी ले सकते हैं लेकिन और तरफ की गारंटी नहीं ले सकते हैं।

अध्यक्ष महोदय : किसी और की गारंटी लेना मेरा हक भी नहीं है। अपने आफिस की मैं गारंटी ले सकता हूँ। बिजिनस एडवाइज़री कमेटी ने जो एक्सट्रा दिन लेने की बात कही थी उस में यह भी कहा गया था कि इस दिन न कोई मोशन, न क्वेश्चन आवर, न कालिंग अटेंशन मोशन आदि आएगी। इसके बावजूद कुछ मेम्बर खड़े हैं। शायद उनको इसका पता न हो, इसलिए मैंने यह कहा है। इस वास्ते मैंने इसको साफ कर दिया है।

श्री राम चरण जी ने जो सवाल उठाया है, वह काफी गम्भीर मसला है। लेकिन मैं दो बातों पर ब्याल कर रहा हूँ। एक तो अपर हाउस में यह कहा गया और साथ ही ईसाइयत की हाउस कहा है। फिर उन्होंने अपना भाषण देते हुए कहा है। जो कुछ वहाँ होता है वह कनवेंशन है कि वहाँ मेम्बर जो कुछ कहें उसको अपर हाउस रेग्युलेट करेगा। फिर वह प्रोटैक्टिड भी है जो उन्होंने हाउस में कहा है। आपने जो कहा है उसको मैं अपर हाउस के चेयरमैन के पास भेज दूंगा।

SHRI PILLOO MODY (Godhra): We do not have to stick to these conventions; we have broken every other convention. Why should we stick to this alone? I have come to have no respect for the rules of the House.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (बलरामपुर) : यह ठीक है कि अपर हाउस में कहा गया है। लेकिन अपर हाउस में इस सदन के

सदस्यों के बारे में कहा गया है। अगर इस तरह की कोई आपत्तिजनक बात कही जाए तो क्या सदन एक दर्शक बन कर बैठा रहेगा? वहाँ पर अध्यक्ष ने रोका नहीं और वह चीज कही गई। वह चीज समाचारपत्रों में छप गई और इस सदन के सदस्यों के ऊपर लांछन लगाया गया। अब आप रेमेडी बताएं कि हम क्या करें...

SHRI S. M. BANERJEE: I want to say.... (*Interruption.*) Because it concerns my party leader.... (*Interruptions.*)

MR. SPEAKER: Nothing will go on record.

SHRI S. M. BANERJEE: \*\*

अध्यक्ष महोदय : इस तरह करते रहेंगे तो ठीक नहीं होगा। मैंने पहले भी कहा था और अब फिर कहता हूँ कि यह एक बात नहीं है।

Observations were made with respect to this House. These few observations made by the hon. Members and some others, I shall be sending to the Chairman also and after he writes to me, then I shall decide whether we should discuss it in this House or not.

SHRI PILOO MODY: Call Mr. Bhupesh Gupta before the bar of the House.

MR. SPEAKER: In a number of instances these matters were discussed in the Presiding Officers' Conference. There are certain decisions taken. I shall proceed according to the decisions taken. There is ample opportunity. In such cases they are taken up with the Chairman of the Upper House. Then we shall take it up here.... (*Interruption.*)

RE: BUSINESS OF THE HOUSE—  
*contd.*

MR. SPEAKER: Mr. Basu went on in spite of my request.

SHRI PILOO MODY: Cancel all he said from the record.

MR. SPEAKER: Thank you very much for your free and voluntary advice all the time.

SHRI PILOO MODY: I can make the advice quite officially and in a straightforward manner.

SHRI JYOTIRMOY BASU: If you permit me just to translate what is written in this Bengali newspaper... (*Interruption.*)

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : आपने मेरे प्रस्ताव के सम्बन्ध में जो कहा है उसी सिलसिले में आपको मैं एक बात याद दिलाना चाहता हूँ। आपको याद होगा....

SHRI M. L. SONDHJ (New Delhi): When I saw the agenda papers today I expected the Prime Minister's name would be there and that she would be good enough to come to the House and make an announcement about interim relief. Yesterday history resumed its march. I should like that the money which is to come from the princes should be given to the Central Government employees. This is the last day. Does it mean that if the fish supply in Bengal is not there you allow half an hour intervention and not for other things? I crave your indulgence. I am making a point which is of some relevance. If the Central Government employees go on strike it will mean loss of national income and the Prime Minister will then feel that the public sector is not working. Why not take time by the forelock and announce today, the last day of the Lok Sabha's current session, that the Central Government employees will be given interim relief to the extent of Rs. 70 each..... (*Interruptions*)\*\*

\*\*Not recorded.